

СОДЕРЖАНІЕ

| | Стр. |
|--|-------------------|
| В. СМІРНОВ. Вѣрные долгу | 5 |
| А. ГОРСКАЯ. Стихи: <i>Тоска. Четверостишія</i> | 33 |
| М. ВЕГА. Стихи: <i>В монастырском саду. Правовѣрный. В Стам- буль</i> | 34 |
| А. ЭРТЕЛЬ и М. СТАРК. Стихи: <i>Утро</i> | 36 |
| Н. СТАНЮКОВИЧ. Стихи: <i>Созерцаніе</i> | 37 |
| И. ГУАДАНИНИ. Стихи: <i>Дѣтство</i> | 38 |
| В. ЧУГУЕВ. Стихи | 96 |
| И. ТОЛАНЕНКО. Письмо запоздалое | 39 |
| С. ШИШМАРЕВ. Волжская глушь | 52 |
| Я. ГОРБОВ. Раскаяніе | 70 |
| А. РОСТОВ. «Дѣло Академіи Наукъ» | 97 |
| П. СТОГОВ. Завоеваніе космоса | 106 |
| В. ЗЛОБИН. Послѣдніе дни Д. Мережковскаго и З. Гипсіус ... | 121 |
| ОБЪЕКТИВ. «Пѣшком, верхом и в спутникѣ» | 138 |
| ЖИЗНЬ И ПЕЧАТЬ | 144 |
| Е. ЕФИМОВСКІЙ. Среди трех сосен или модный «жупелъ» | 149 |
| ДѢЛА И ЛЮДИ: Предрѣшенный исход. Китайскій протектор. Си- ла и слабость Мао-Цзе-Дунга. За русскую независимость | 152 |
| ОБЪЯВЛЕНІЯ | 3-я стр. обложки. |